भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1746

29 जुलाई, 2026 के लिए प्रश्न

एथेनॉल उत्पादन के लिए प्रयुक्त खाद्यान्न

1746. श्री कीर्ति आजाद :

श्री अभिषेक बनर्जी:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान एथेनॉल उत्पादन के लिए प्रयुक्त चावल, मक्का, क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों तथा अन्य खाद्यान्नों की मात्रा और तत्संबंधी वस्तु-वार, राज्य-वार, वर्ष-वार तथा एजेंसी-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या मक्का की कीमतों, चावल के स्टॉक, खाद्य मुद्रास्फीति, पशु-आहार की कीमतों तथा खाद्य-सुरक्षा स्टॉक पर एथेनॉल की मांग के प्रभाव का कोई मूल्यांकन किया गया हैं;

(ग) यदि हां, तो राज्य-वार और वस्तु-वार इसके क्या निष्कर्ष हैं; और

(घ) क्या उच्च खाद्य मुद्रास्फीति या कम बफर स्टॉक की अवधि के दौरान एथेनॉल उत्पादन के लिए खाद्यान्नों के उपयोग पर कोई अधिकतम सीमा निर्धारित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क) इथेनॉल बनाने वाली डिस्टिलरियां मुख्य रूप से खुले बाज़ार से फीडस्टॉक के तौर पर मक्का और टूटा हुआ चावल खरीदती हैं। भारत सरकार, इथेनॉल सम्मिश्रित पेट्रोल (इबीपी) कार्यक्रम के तहत इथेनॉल बनाने के लिए खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) (ओएमएसएस (डी)) के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के माध्यम से इथेनॉल डिस्टिलरियों को चावल का

अतिरिक्त स्टॉक बेचने की अनुमति देती है। इथेनॉल उत्पादन के लिए, भारतीय खाद्य निगम द्वारा आपूर्ति किए गए चावल की मात्रा; और डिस्टिलरियों द्वारा तेल विपपण कंपनियों (ओएमसी) को आपूर्ति किए गए इथेनॉल के आधार पर मक्का और क्षतिग्रस्त खाद्यान्न /टूटे हुए चावल की मात्रा का विवरण इथेनॉल आपूर्ति वर्ष -वार (इएसवाई) (नवंबर - अक्टूबर) नीचे दिया गया है:

इथेनॉल आपूर्ति वर्ष-वार (इएसवाई) इथेनॉल बनाने में उपयोग किए गए अतिरिक्त एफसीआई चावल, मक्का और खराब अनाज की मात्रा						
फ़ीड स्टॉक	**इथेनॉल उत्पादन के लिए प्रयुक्त फ़ीड स्टॉक (लाख टन में))**					
	इएसवाई 2020-21	**इएसवाई 2021-22**	**इएसवाई 2022-23**	**इएसवाई 2023-24**	**इएसवाई 2024-25**	**इएसवाई 2025-26(दिनांक 30.6.2026 तक)**
अधिशेष एफसीआई चावल	0.5	10.7	13.9	0	31.8	44.2
मक्का	0	0	8.3	75.4	131.1	67.9
क्षतिग्रस्त खाद्यान्न / टूटे हुए चावल	8.7	5.0	7.1	25.7	17.9	9.9

(ख) और (ग) सरकार, बफ़र स्टॉक बनाए रखने और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्लूएस) की ज़रूरतों को पूरा करने के बाद, केन्द्रीय पूल से चावल का केवल अतिरिक्त स्टॉक खुला बाजार बिक्री योजना (घरेलू) [ओएमएसएस (डी)] के तहत बेचती है। चावल के जमा हुए अधिशेष स्टॉक को इथेनॉल बनाने के लिए फ़ीडस्टॉक के तौर पर आवंटित किया जाता है। अतिरिक्त एफसीआई चावल के अन्यत्र उपयोग से खुदरा खाद्य महंगाई पर कोई असर नहीं पड़ता है।

इथेनॉल बनाने के लिए फ़ीडस्टॉक के रूप में मक्का को शामिल करने से मक्का किसानों को सुनिश्चित बाज़ार और बेहतर दाम दिलाने में मदद मिली है। वर्ष 2025-26 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, मक्का का उत्पादन 550 लाख टन होने का अनुमान है। मक्का की यह मात्रा इथेनॉल उत्पादन, पोल्ट्री, पशु आहार और अन्य ज़रूरतों को पूरा करने के लिए काफ़ी है। पशु आहार की उपलब्धता बनाए रखने के लिए, पशु आहार उद्योग चावल की भूसी, टूटे हुए चावल, बाजरा और गेहूं के अवशेष जैसी देश में उपलब्ध अन्य चीज़ों का भी इस्तेमाल कर रहा है।

(घ) एफसीआई चावल को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए), अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) की ज़रूरतों को पूरा करने और बफ़र स्टॉक बनाए रखने के बाद केवल अतिरिक्त मात्रा में उपलब्ध होने पर ही इथेनॉल उत्पादन के लिए उपयोग किया जाता है, । सरकार ने खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, इएसवाई 2022-23 के दौरान दिनांक 14.08.2023 से इथेनॉल उत्पादन के लिए एफसीआई चावल की आपूर्ति रोक दी थी। बाद में, एफसीआई चावल का अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होने के कारण, सरकार ने इएसवाई 2024-25 और 2025-26 के दौरान इथेनॉल बनाने वाली डिस्टिलरी को बिक्री के लिए फिर से एफसीआई चावल आवंटित किया। सरकार द्वारा इथेनॉल उत्पादन के लिए फ़ीडस्टॉक के आधार में विविधता लाने (जैसे गन्ने का रस, बी-हैवी शीरा, सी-हैवी शीरा , मक्का, क्षतिग्रस्त खाद्यान्न, अधिशेष एफसीआई चावल (केवल अतिरिक्त उपलब्ध होने पर) से किसी एक फ़ीडस्टॉक (फ़सल) पर निर्भरता कम हुई है और कृषि विविधीकरण को बढ़ावा मिला है।

******